



संदेश

कोल इंडिया परिवार के सभी सदस्यों को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ !

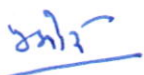
हिन्दी विश्व की समृद्ध, प्राचीन और सरल भाषाओं में से एक है। यह हमारे देश की जन-जन की भाषा है। राष्ट्रीयता, भारतीयता और एकता हिन्दी का मूल स्वर है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, हिन्दी को राष्ट्रीय स्वाभिमान का अंग एवं प्रेरणा स्रोत के रूप में सर्वाधिक उपयुक्त समझते हुए संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया। इसी अनुक्रम में 26 जनवरी, 1950 में लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार यह व्यवस्था की गई कि संघ सरकार की राजभाषा हिन्दी होगी एवं इसकी लिपि देवनागरी होगी।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हमारा देश विकास के शिखर पर पहुँचने की दिशा में अग्रसर है। वैश्वीकरण तथा बाजारीकरण के इस दौर में देश के प्रत्येक हिस्से में हिन्दी का प्रयोग हो रहा है। विदेशी कम्पनियाँ भी अपने सामान को बेचने में हिन्दी का प्रयोग कर रही हैं। टोक्यो ओलंपिक खेलों का हिन्दी में कमेंट्री होना इसकी लोकप्रियता के बढ़ते आयाम को प्रदर्शित करती है तथा इससे वैश्विक मंचों में हिन्दी और भी सशक्त हुई है।

उदारकृत अर्थव्यवस्था के युग में देश को अशिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी से उबारने के लिए आम जनता को सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, कृषि, अभियांत्रिकी, स्वास्थ्य सेवाओं जैसे अनेक क्षेत्रों में राजभाषा हिन्दी के माध्यम से शिक्षित करने की आवश्यकता है। वस्तुतः हम राजभाषा हिन्दी के माध्यम से देश की बहुसंख्यक जनता को अपने कार्यों से अवगत करा सकते हैं। एक संपर्क भाषा की भूमिका निभाते हुए हिन्दी हमारे विविधतापूर्ण देश को एकसूत्र में बांधती है। हिन्दी और समस्त भारतीय भाषाएं शासन-तंत्र और जनता के बीच सेतु का काम करते हुए अधिकाधिक जन-भागीदारी सुनिश्चित करती हैं। हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम अपने सरकारी काम-काज में हिन्दी भाषा का प्रयोग बढ़ाएं तथा सभ्यता, संस्कृति के सबल होने के साथ-साथ भाषा स्तर पर एक नई पहचान स्थापित करें।

आइए ! हिन्दी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम यह दृढ़ संकल्प लें कि हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य पूर्ण उत्साह, लगन और गर्व के साथ राजभाषा हिन्दी में करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि निगम, अनुषंगियों एवं इकाइयों में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को समझते हुए राजभाषा हिन्दी में कार्यालयीन कार्यों को करने में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे।

जय हिंद, जय हिन्दी !


(प्रमोद अग्रवाल)

अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड